POPULATION GROWTH OF INDIA

भारत की जनसंख्या वृद्धि

जनसंख्या वृद्धि किसी भी क्षेत्र में लोगों की संख्या बढ़ने को कहा जाता है। पूरे दुनिया में मनुष्य की जनसंख्या हर साल लगभग 8.3 करोड़ या 1.1% की दर से बढ़ती जा रही है। वर्ष 1800 को पूरे विश्व की जनसंख्या लगभग 1 अरब थी जो 2017 तक बढ़कर 7.6 अरब हो गई है। 2100 तक इसकी आबादी 11.2 अरब तक हो सकती है। तथा हमारे देश भारत की जनसंख्या 1.09 बिलियन अनुमानित की गई है।

भारत में जनसंख्या वृद्धि के प्रमुख कारण

(1) चिकित्सा सेवाओं में वृद्धि।
(2) कम आयु में विवाह।
(3) निम्न साक्षरता।
(4) परिवार नियोजन के प्रति विमुखता।
(5) गरीबी और जनसंख्या। आदि ने जनसंख्या बढ़ाने में योगदान किया है।

जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में द्वितीय स्थान है एवं जनघनत्व के मामले में भी भारत काफी ऊपर है।

Scanned by SelfScan

किसी भी देश की जनसंख्या को घटाने या बढाने में मुख्यतः तीन कारक प्रमुख होते है।

1. जन्मदर
2. मृत्युदर
3. आवास-प्रवास

जन्मदर अधिक एवं मृत्युदर कम होने से जनसंख्या में वृद्धि होती है एवं जन्मदर कम हो तथा मृत्यु दर अधिक होगी जनसंख्या में कमी आती है। इसी प्रकार यदि इसके देशों से आनेवालों की संख्या विदेश जानेवाले लोगों की संख्या से अधिक होगी तो जनसंख्या में वृद्धि होगी एवं विपरीत स्थिति में जनसंख्या में कमी आएगी।

Scanned by SelfScan

वैश्विक संदर्भ:

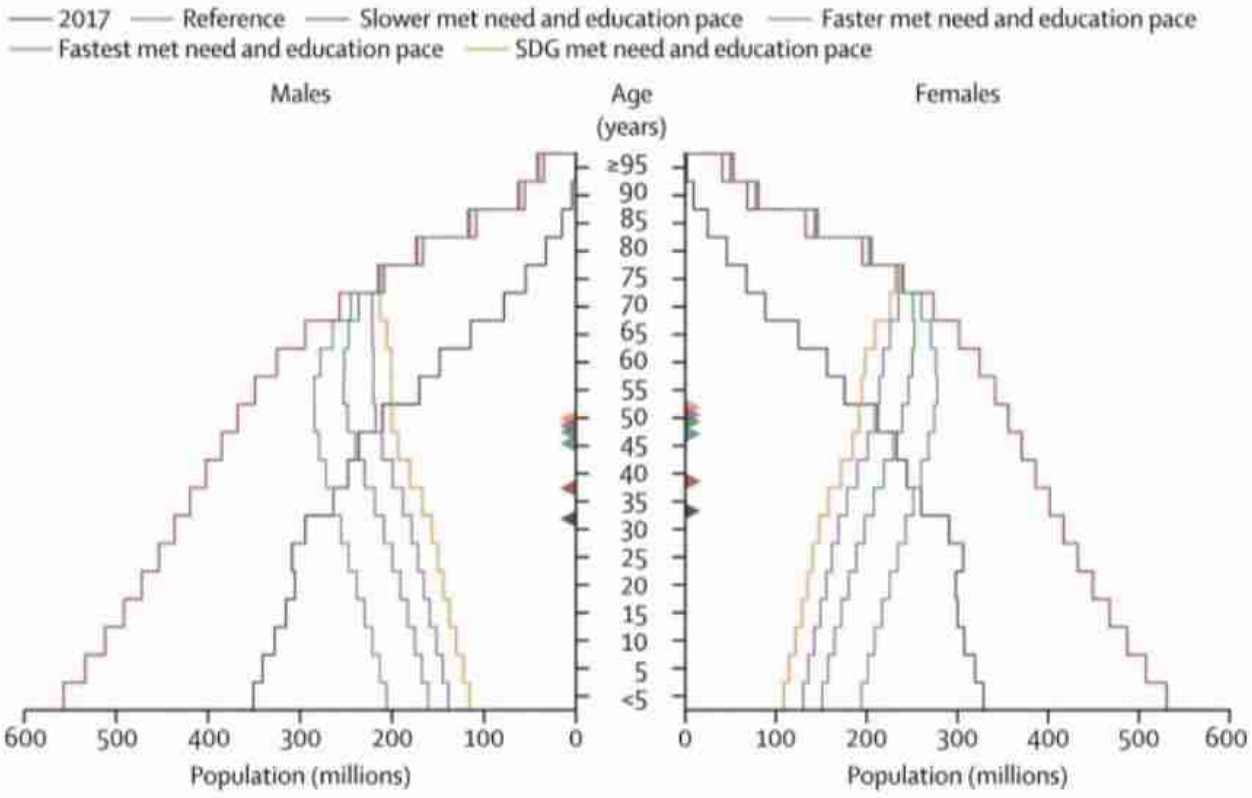

Scanned by SelfScan

Indian states with highest Population

उत्तरप्रदेश - 199,812,341

महाराष्ट्र - 112,372,972

बिहार - 103,804,637

पश्चिमबंगाल - 91,347,736

मध्यप्रदेश - 72,597,565

अधिकतम जनसंख्या घनत्व वाले 5 राज्य

बिहार - 11.06

पश्चिमबंगाल - 1028

केरल - 860

उत्तर प्रदेश - 829

हरियाणा - 573

Scanned by SelfScan

भारत में शतकीय विकास दर का मानचित्रण 2001-2011

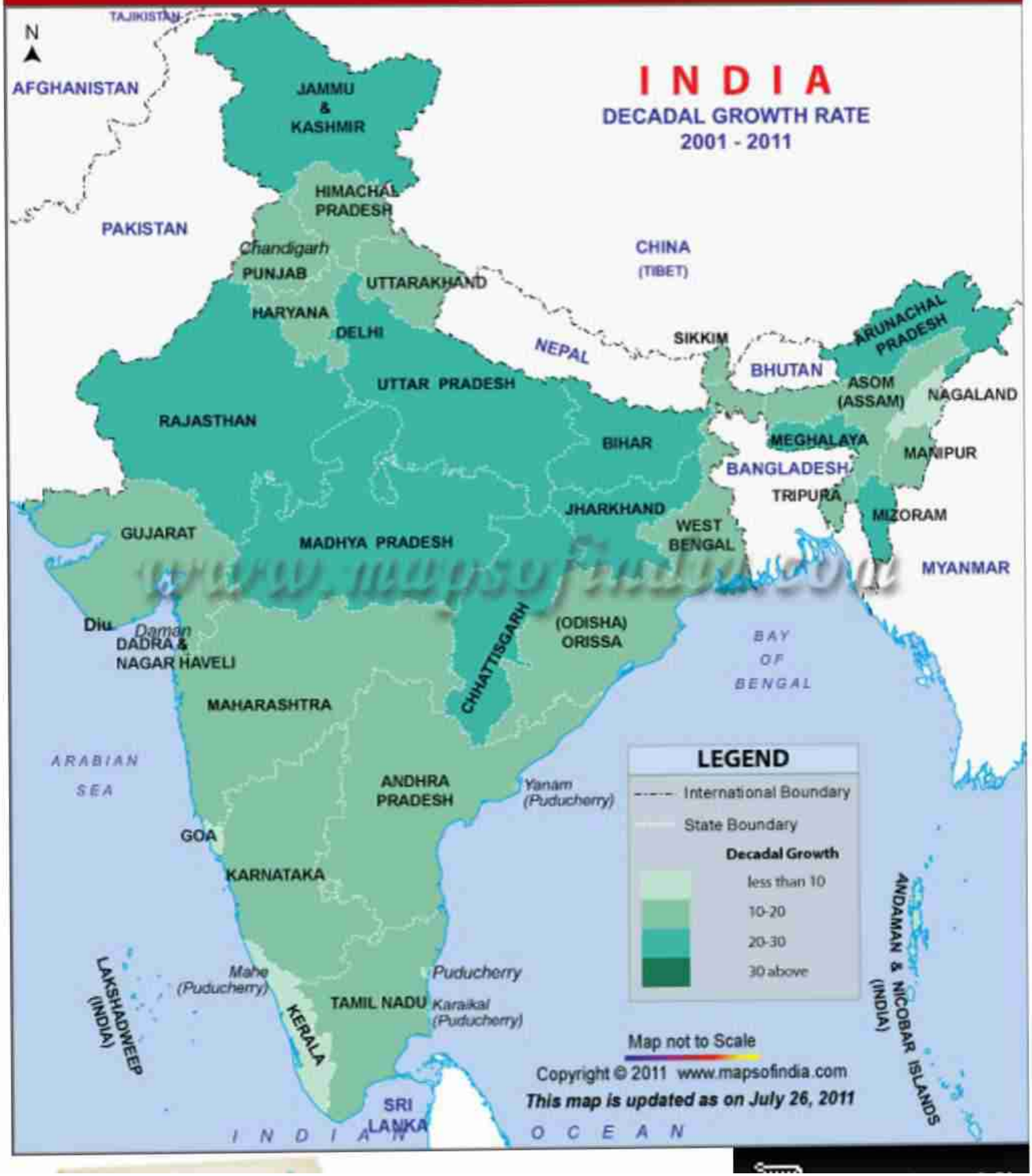

Scanned by SelfScan